Title: Need to ensure sale and supply of coal to the non-core sector through 'e-Neelami' (Electronic Auctioning).

श्री राजाराम पाल (बिल्हौर) : अध्यक्ष महोद्य, कोयला मंत्रालय की गलत नीति के कारण नॉन-कोर सैक्टर के लाखों उद्योग पूरे देश में बंद होने के कगार पर हैं।â€¦(व्यवधान) उन उद्योगों में करोड़ों दिहाड़ी मजदूर काम करते हैं। कोयला मंत्रालय द्वारा तथा भारत कोकिंग कोल लिमिटेड धनबाद, झारखंड में ई-नीलामी के द्वारा कोयले की आपूर्ति करने की बात की जा रही है। वहीं नॉन-कोर सैक्टर के लोगों को जो नोटिफाइड रेट पर कोयला उपलब्ध होता था, कोयला कम्पनी कोयले की कमी दिखाकर और ई- नीलामी के द्वारा 900 रुप्ये का कोयला 1500 रुप्ये में और नॉर्थ-ईस्ट कोलफील्ड में 1300 रुप्ये मूल्य के कोयले की 2100 रुप्ये में आपूर्ति की जा रही है। यह कोयला मंत्रालय स्वयं कोयले की आपूर्ति कम करके कोयले को ब्लैक करने का काम कर रहा है जिस्से नॉन-कोर सैक्टर के लाखों उद्योग बंद होने के कगार पर पहुंच गये हैं जिस कारण नॉन-कोर सैक्टर के लघु उद्योग बन्द होने की कगार पर पहुंच गए हैं। इस्से साफ जाहिर होता है कि भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने अधिकारियों को और कोकिंग कोल लिमिटेड कम्पनी धनबाद को खुली छूट दे रखी है कि वे कोयला आपूर्ति कम या बंद करके, इन नॉन-कोर सैक्टर के लघु उद्योगों को बन्द करवा दें। अस्तु मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि नोटीफाइड रेट पर कोयला उपलब्ध कराकर नॉन-कोर सैक्टर के लघु उद्योगों के अस्तित्व को बचाया जाए ताकि उसमें लगे हुए मजदूरों को भुखमरी की कगार पर न जाना पड़े।